वार्तालाप-1422, ज्योति-कनाडा+दिल्ली -रघु, भाग-2 दिनांक 09.05.13
Disc.CD No.1422, dated 09.05.13, Jyoti-Canada+Delhi-Raghu, Part-2
Part-1

समयः 03.45-04.21

जिज्ञासुः अगला प्रश्न है - सतयुग-त्रेता में तो सूक्ष्म शरीर नहीं होते। फिर द्वापरयुग से सूक्ष्म शरीर अचानक कैसे शुरू हो जाते हैं?

बाबाः क्योंकि अचानक मृत्यु शुरू हो जाती है।

जिज्ञासुः अर्ध विनाश।

बाबाः आधा विनाश होता है तो अचानक मृत्यु होती है ना। जिनकी अकाले मौत होती है उन्ही के लिए सूक्ष्म शरीर होता है। जो पापात्माएं ज्यादा होती हैं उनके लिए सूक्ष्म शरीर होता है। अज्ञानी आत्माएं हैं वो ज्यादा पापात्माएं बनती हैं तो उनके लिए सूक्ष्म शरीर है। भटकते रहो।

Time: 03.45-04.21
Student: The next question is: There are no subtle bodies in the Golden Age and the Silver Age. Then how do subtle bodies emerge suddenly from the Copper Age?
Baba: It is because sudden death begins.
Student: Semi-destruction (*ardh-vinaash*).
Baba: When semi-destruction takes place, then sudden death takes place, doesn't it? Subtle body is only for those who meet sudden death (*akaale maut*). The subtle bodies are for those who are more sinful souls. Ignorant souls become more sinful souls. So, the subtle body is for them. Keep wandering.

समयः 05.05-08.45

जिज्ञासुः अगला प्रश्न है कि - कहीं तो मुरलियों में कहा गया है कि अखबारों में छपवाने के लिए पैसा मत दो और कहीं कहा है कि पैसे देकर भी छपवा लेना चाहिए। कौनसी बात सही मानें?

बाबाः बेसिक में कहा गया पैसा देकरके भी झूठी बात को एडवर्टाइज़ करो क्योंकि अंग्रेज लोग हैं वो क्राइस्ट को फालो करने वाले हैं। वो एडवर्टाइज़मेंट में ज्यादा विश्वास करते हैं। अपनी भारतीय परंपरा जो है वो ज्ञान और योग को एडवर्टाइज़ नहीं करती है, गुप्त रखती है। तो जो उस समय बोला है वो बात अब लागू नहीं हो सकती। सच्चाई को... दुकान में तुम्हारी बढ़िया माल रखा हुआ है, सच्चा माल रखा हुआ है। उसको एडवर्टाइज़ करने की जरूरत है? लोग अपने आप, जो खाएंगे वो (कहेंगे) – बढ़िया है, अरे उस दुकान पे जाओ, तब तुमको असली बात का पता चलेगा। तो अपने आप जो एडवर्टाइज़ हो वो ज्यादा अच्छा या ढ़ोल मजीरा बजा-बजा करके एड्वर्टाइज़मेंट करो वो ज्यादा अच्छा पैसा खर्च करके?

जिज्ञासुः अपने आप जो पता चले।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वो सच्चाई है। सच्चाई सर के ऊपर चढ़के बोलती है। उसमें एडवर्टाइज़ करने की जरूरत ही नहीं।

Time: 05.05-08.45
Student: The next question is: It has been said at some places in the murli "Do not pay any money to get matter published in the newspapers" and at some places it has been said "You should get matter published even by paying money". Which version should be considered to be correct?
Baba: It was said in the basic [knowledge] that you should *advertise* false topics even by paying money because the Englishmen *follow* Christ. They believe more in *advertisement*. Our Indian tradition does not *advertise* knowledge and yoga; it keeps it secret. So, whatever has been said at that time cannot be applicable now. As regards truth… if nice goods, true goods are available at your shop, then is there any need to *advertise* it? The people who eat it will automatically [say:] "It is very nice. *Arey*! Go to that shop, then you will know about the truth". So, is it good if things get advertised automatically or is it good if you do *advertisement* by playing musical instruments, by spending money?
Student: Something that people come to know automatically.
Baba: That is truth. Truth speaks for itself. There is no need to *advertise* it at all.

जिज्ञासुः इसी तरह की विरोधी बातें जो हैं वो राखी के संबंध में या भोग के संबंध में, गीतों के संबंध में भी मुरलियों में आती हैं कि राखी बांधनी चाहिए या नहीं बांधनी चाहिए, भोग लगाना चाहिए, नहीं लगाना चाहिए, इस तरह से। जब भी हम इंटरनेट पर सेवा करते हैं, हम कहते हैं जो आप कह रहे हो वो श्रीमत के विरुद्ध है, एडवांस पार्टी इसमें विश्वास नहीं रखती है, फिर वो मुरली पॉइंट दिखा देते हैं कि देखो मुरली में ये कहा है कि...
बाबाः क्या? मुरली में क्या आया है?
जिज्ञासुः कि भोग लगाना चाहिए या...
बाबाः 'चाहिए' कहीं बोला है? मुरली में तो ये और बोला है कि भोग, ध्यान, दीदार, हुआ समय बेकार। टाइम वेस्ट होता है। इससे कोई फायदा नहीं। क्या बाबा का, ब्रह्मा बाबा के नाम का बदनाम करने वाले पैदा हो गए! कौनसी मुरली में कहा बाबा ने कि भोग लगाना चाहिए?

Student: Similar contradictory versions appear in the murlis with respect to *raakhi*[1], *bhog*, and also songs. It is said whether we should tie a *raakhi* or not, whether we should offer *bhog* or not and so on. Whenever we do service on the internet, we tell [the BKs] that whatever you speak is against the *shrimat*; the Advance Party does not believe in this; then they show a murli point [and say:] Look, it has been said in the murli that…
Baba: What? What has been said in the murli?
Student: Whether we should offer *bhog* or not.
Baba: Has it been said anywhere that one 'should' [offer *bhog*]? Rather it has been said in the murlis that the time spent on *bhog*, trance, and visions is wastage of time. It is a '*time waste*'. It is of no use. What [children] have taken birth that spoil the name of Baba, Brahma Baba! In which murli has Baba said that you should offer *bhog*?

[1] A wrist band tied on a person's hand on Rakshabandhan festival

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः ऐसा आता है ना कि मुरली में आता है आज सद्गुरुवार है, भोग लगता है।
बाबाः वो मुरली का पॉइंट है? ब्रह्मा बाबा इंटरफियर करके भी तो बोलते हैं। (जिज्ञासु – हाँ, जी) तो जहाँ-जहाँ भोग-भोग की बातें हैं वो सब भोगी बोलते हैं। घड़ी-घड़ी... मुरली चलती जा रही है – अच्छा, टोली बांटो। टोली लाओ, बच्चे तुमको टोली मिली? ये क्या बात हुई?
जिज्ञासुः ये ब्रह्मा बाबा की इंटरफियरेंस है।
बाबाः तो फिर? अंदर से समझते हैं हम जो बोल रहे हैं उससे कोई असर नहीं पड़ रहा है। तो टोली खिला के मुँह बंद कर दो।

Student: It appears in the murli that today is *Sadguruvar* (Thursday); *bhog* is offered.
Baba: Is that a murli *point*? Brahma Baba also *interferes* to speak. (Student: Yes.) So, wherever there are topics of *bhog* (pleasure) they are spoken by *bhogi* (pleasure seekers). The murli is being narrated and [he says] again and again: *Acchaa*, distribute *toli* (sweets). Bring *toli*; child, did you get *toli*? What is this?
Student: This is Brahma Baba's interference.
Baba: So, then? He realizes from within that whatever I am speaking is not having any effect. So, shut their mouth by offering them *toli* to eat.

समयः 08.50-12.10
जिज्ञासुः अगला प्रश्न है कि कैसे समझें कि हिसाब-किताब बन रहा है या खत्म हो रहा है? ब्रह्मा का उदाहरण लें – ब्रह्मा ने सहन किया। उन्होंने ये समझकर सहन किया कि मेरा हिसाब चुक्तू हो रहा है। लेकिन फिर भी ब्रह्मा की सोल सहन कराने वाले बच्चों से हिसाब चुकाने के लिए धर्मराज का पार्ट बजाती है। तो इससे क्या यह सिद्ध नहीं होता कि सहन करने के बावजूद न तो सहन करने वाले का और न ही सहन कराने वाले का हिसाब-किताब चुक्तू हुआ?

Time: 08.50-12.10
Student: The next question is: How can we know whether karmic accounts are being created or cleared? Let's take the example of Brahma: Brahma tolerated. He tolerated thinking that his karmic accounts are being cleared. However, Brahma's soul plays the part of Dharmaraj (Chief Justice) to settle the accounts with those children who made him tolerate. So, does this not prove that although he tolerated, the karmic accounts of neither the one who tolerated nor the one who made him tolerate were cleared?

बाबाः सहन कराने (वाले) का हिसाब-किताब क्यों नहीं हुआ? सहन करने से हिसाब-किताब चुक्तु नहीं होता है? ब्रह्मा बाबा का तो हिसाब-किताब चुक्तु हुआ, लड़कों का बन गया है, बच्चों का। तो बच्चों का जो हिसाब-किताब बन गया है तो उसे पूरा कौन करेगा? और किसके निमित्त से पूरा होगा? (जिज्ञासु – ब्रह्मा के) फिर? जिसके निमित्त से हिसाब-किताब बनाया है बच्चों ने उसी के निमित्त से पूरा होगा। खाओ सज़ा।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Why weren't the karmic accounts of the one who tolerated cleared? Don't the karmic accounts get cleared by tolerating? Brahma Baba's karmic accounts were cleared, but the karmic accounts of the sons, the children were created. Who will clear the accounts that the children have accumulated? And who will be the instrument to clear it? (Student: Brahma.) Then? The karmic accounts of the children will be cleared only through the person with whom it was created. Suffer punishments!

दूसरा जिज्ञासुः क्या ये विनाश के समय ये हिसाब किताब सारे चुक्तु होंगे?
बाबाः अभी भी चुक्तु हो रहे हैं। उनको ज्ञान के डंडे लगते जा रहे हैं। वो कुछ बोल नहीं पा रहे हैं। अभी ज्ञान की बात है। आगे चलके स्थूल में भी सज़ाएं खानी पड़ेंगी, न सुधरे तो। घायल हो रहे हैं। (जिज्ञासु ने अनुवाद किया) अगर नहीं सुधरे तो।

Another student: All these karmic accounts will be cleared at the time of destruction?
Baba: They are being cleared even now. They are being beaten with sticks of knowledge. They are unable to speak anything. Now, it is about knowledge. In future, they will have to suffer physical punishments as well, if they do not reform. They are being injured. (Student translated Baba's answer) … If they do not reform.

समयः 12.18-15.00
जिज्ञासुः अगला प्रश्न ये है कि शंकर के पार्टधारी ने सबसे ज्यादा प्योरिटी का पुरुषार्थ किया फिर मुरलियों में ऐसे क्यों आता है कि भक्तिमार्ग में मानते हैं कि माताओं, कन्याओं को शिव के मन्दिर में नहीं जाना चाहिए?
बाबाः वो तो सन्यासी मानते हैं। बाबा तो कहते हैं खूब जाना चाहिए। (जिज्ञासु – सभी को?) हाँ। मुरली में तो ये बोला है सन्यासियों का कहना है कि कन्याओं-माताओं को शिवलिंग की पूजा नहीं करनी चाहिए, नज़दीक भी नहीं जाना चाहिए। लेकिन बाबा क्या कहते हैं? शिवलिंग की तो खूब पूजा करनी चाहिए।

Time: 12.18-15.00
Student: The next question is: The actor playing the role of Shankar made the maximum *purushaarth* for purity, yet why is it mentioned in the murlis that it is believed in the path of *bhakti* that mothers, virgins should not go to the temple of Shiva?
Baba: The Sanyasis have such belief. Baba says: You should go a lot. (Student: Everyone?) Yes. It has been said in the murlis that the Sanyasis say that the virgins and mothers should not worship *Shivling*[2]; they should not even go near it. But what does Baba say? *Shivling* should be worshipped a lot.

सबसे ज्यादा पूजा किसकी होती है? (जिज्ञासु – शिव की) क्यों? उसका आधार क्या है? पूजा का आधार क्या है? प्यूरिटी। (जिज्ञासु – प्युरिटी) हाँ। शिवलिंग में प्युरिटी हैं तभी तो पूजा होती है। और वो प्युरिटी सिर्फ एक पार्वती की बात थोड़े ही है। तुम सब पार्वतियाँ हो। सब पार्वतियाँ हो माने? इसका मतलब चाहे आक हो, धतूरा हो, कैसा भी फूल हो, वो भी उनको

[2] An oblong stone representing Shiva worshipped all over India in the path of *bhakti*

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

अर्पण किया जाता है। सबको संग के रंग से प्योर बनाता है। तो सन्यासी कहते हैं उसकी पूजा नहीं करनी चाहिए, उसका संग नहीं करना चाहिए, उसके दर्शन नहीं करना चाहिए। और बाबा क्या कहते हैं? खूब पूजा करना चाहिए।

Who is worshipped the most? (Student: Shiva.) Why? What is its basis? What is the basis for worship? *Purity*. (Student: Purity) Yes. *Shivling* is worshipped because there is *purity* in it. And that *purity* is not about just one Parvati. You all are Parvatis. What is meant by 'You all are Parvatis'? It means that whether it is ak[3], dhatura[4] or any flower they are also offered to Him. He makes everyone *pure* through the colour of company. So, the Sanyasis say that it should not be worshipped; we should not keep its company; we should not see it. And what does Baba say? It should be worshipped a lot.

समयः 15.25-17.52

जिज्ञासुः अगला प्रश्न है - एक तरफ तो मुरली में कहते हैं कि आगे चल के नम्बरवार बिठायेंगे, दूसरी तरफ कहते हैं कि बोर्ड पर नम्बर लिखकर नहीं बतावेंगे। तो फिर नम्बरवार कैसे बिठावेंगे?

बाबाः ये भी तो कहते हैं – अभी नहीं बिठा सकते। (जिज्ञासु – आगे चलके) अभी अगर बिठाएं तो बवंडर हो जाए। आगे चलके बिठावेंगे। इसका मतलब आगे चलकरके जब ज्यादा संख्या हो जाएगी सच्चाई के ऊपर चलने वालों की तब नम्बरवार बिठावेंगे। **जिज्ञासुः** तो फिर वो एक तरह से तो फिर जब एक तरफ कहा गया है कि बोर्ड पे लिखकरके नहीं बताएंगे तो जब नम्बरवार बिठावेंगे तो इसका तो अर्थ ये हो गया कि...

बाबाः माने 500 करोड़ का पात्र जो है, पार्ट क्या है, ये क्या बाबा बताएगा? ये संभव है? (जिज्ञासु – नहीं) फिर? ये तो अपनी आत्मा के पार्ट को वो अपनी आत्मा ही ज्यादा रिअलाइज़ कर सकती है कि कोई दूसरा रिअलाइज़ कर सकता है? (जिज्ञासु – खुद आत्मा रिअलाइज़) फिर?

जिज्ञासुः तो ये जो नम्बरवार बिठाने की बात कही गई है ये फिर स्थूल...

बाबाः ये तो इन्होंने, प्रश्न करने वालों ने जोड़ दी है इस बात से । बिठाने की बात अलग है। पार्ट क्लीयर करने की बात अलग है।

Time: 15.25-17.52

Student: The next question is: On the one side it is said in the murlis that [the children] will be made to sit number wise[5] in future and on the other side it is said that the *number* (rank) will not be disclosed by writing on the *board*. So, then how will they be seated number wise?

Baba: It is also said: They cannot be made to sit [number wise] now. (Student: In future) If they are made to sit [number wise] now, then it will lead to a huge uproar (*bavandar*). They will be made to sit [number wise] in future. It means that when the number of those who follow the truth increases then you will be made to sit number wise.

[3] Swallow-wort
[4] Thorn apple
[5] One after the other according to their rank

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: So, then on the one hand it has been said that the disclosure [of ranks] will not be made by writing on the board, so when they are made to sit number wise then it means that…
Baba: Does it mean that Baba will reveal the *part* of [each of] 500 crore (hundred thousands)? Is it possible? (Student: No) Then? Can a soul *realize* its *part* better or can anyone else *realize* it? (Student: A soul can *realize* itself) Then?
Student: So, this topic of making [children] sit number wise that was narrated, is it in a physical sense?
Baba: This has been added by the person asking the question. The topic of making to sit [number wise] is different. The topic of making the *part clear* is different.

जिज्ञासुः बुद्धि में बात बैठ जाएगी कि ये फलाना पार्टधारी है।
बाबाः हाँ। जिसकी बुद्धि में बैठ जाएगी कि मेरा ये पार्ट है दूसरा कोई कुछ भी समझाता रहे वो अपने रास्ते पे चलता रहेगा, वो नहीं मानेगा क्योंकि उसे रिअलाइज़ हो रहा है।
जिज्ञासुः वो जिस पुरुषार्थ की गति पे चल रहा है।
बाबाः वो चलेगा। कितना भी हिंड्रेंस आए।
जिज्ञासुः हिलेगा नहीं।
बाबाः हाँ। रावण के पार्ट को सारी दुनिया थू-थू करती रहे – रावण है, रावण है, राक्षस है, राक्षस है, दुष्ट है, दुष्ट है, चोर है, डकैत है, वो नहीं मानने वाला।
जिज्ञासुः वो उसी को ठीक मानेगा।
बाबाः वो उसी को ठीक मानेगा। मैं नहीं होता तो राम क्या होता? राम की क्या वैल्यू? ऐसे संकल्प आएंगे उसको। मेरे होने से ही, मेरे अस्तित्व होने से ही राम की वैल्यू है।
जिज्ञासुः उसी में अपनी श्रेष्ठता को....
बाबाः ... साबित करता है। अपनी शक्ति को साबित करता है।

Student: The topic will sit in the intellect that this is such and such actor.
Baba: Yes. The one in whose intellect the topic sits 'this is my *part'*, then whatever another person may explain he will continue to tread his path; he will not accept because he is realizing [his part].
Student: The pace at which he is making *purushaarth*..
Baba: He will continue, even it doesn't matter how many hindrance he has to face.
Student: He will not shake.
Baba: Yes. The entire world may spit on Ravan's *part,* [they may say:] He is Ravan, He is Ravan; He is a demon, he is a demon; He is wicked, he is wicked, he is a thief, he is a dacoit, [but] he (Ravan) will not accept.
Student: He will consider that alone to be correct.
Baba: He will consider that alone to be correct. Had I not existed, what would Ram be? What is Ram's *value* [without me]? He will get such thoughts. Ram's *value* exists only because of my existence.
Student: He finds his superiority only in that .
Baba: He proves it. He proves his power.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 19.30-20.45

जिज्ञासुः शिवबाबा ने ब्रह्मा द्वारा केवल मीठा पार्ट बजाया। राम द्वारा मीठों के लिए मीठा और खारों के लिए खारा पार्ट बजाते हैं। तो कुछ ऐसी मीठी आत्माएं भी होंगी जो बाप का खारा पार्ट देख कर डर जाती होंगी। उनको क्या करना चाहिए?

बाबाः उनको उमंग-उत्साह दिलाना चाहिए। डर किसको होता है? देहअभिमानी को होता है या आत्माभिमानी को होता है?

जिज्ञासुः देहअभिमानी को।

बाबाः तो देहअभिमानी को आत्माभिमानी बनाओ। बाप का ज्ञान मिलेगा तो आत्मा को अपने पार्ट का भी रिअलाइजेशन होगा। बाप की ही पहचान नहीं है तो अपने पार्ट की रिअलाइजेशन कैसे होगा? आत्मा को आत्मा का परिचय दिलाओ। तो देहभान से छट जाए।

जिज्ञासुः क्या ऐसी आत्माओं को बुद्ध धर्म की आत्मा कहेंगे?

बाबाः क्यों? उनको अपने पार्ट का रिअलाइजेशन नहीं होता है? रिअलाइजेशन तो सभी को होता है। रिअलाइजेशन हो जाएगा तो डर खतम हो जाएगा।

Time: 19.30-2045

Student: Shivbaba played only a sweet role through Brahma. Through Ram He plays a sweet role for the sweet ones and a salty role for the salty ones. So, there must be some sweet souls also who are frightened on seeing the salty role of the Father. What should they do?

Baba: Their zeal and enthusiasm should be increased. Who feels afraid? Is it the body conscious ones or is it the soul conscious ones?

Student: The body conscious ones.

Baba: So, transform the body conscious ones into soul conscious ones. When they get the Father's knowledge then the soul will have the *realization* of its *part* as well. When there is no realization (*pehcaan*) of the Father Himself, then how will they have *realization* their own part? Give the introduction of the soul to the soul. Then its body consciousness will be removed.

Student: Should such souls be considered to be from Buddhism?

Baba: Why? Don't they have a *realization* of their *part*? Everyone will have *realization*. When the *realization* occurs then the fear will end. … (to be continued.)

Part-2

समयः 21.48-24.27

जिज्ञासुः अगला प्रश्न है - अपने बेटे का बलिदान देकर मेवाड़ के महाराणा उदय सिंह का जीवन बचाने वाली पन्ना धाय के पार्ट की शूटिंग भी संगमयुग में होती है क्या?

बाबाः दुनिया में जितना भी पार्ट होता है 500 करोड़ आत्मा का सबकी शूटिंग संगमयुग में ही होती है। पन्ना धाय की तो बात ही छोड़ो।

जिज्ञासुः उनका तो बहुत श्रेष्ठ पार्ट था।

बाबाः हाँ। वफादारी और त्याग का बहुत अच्छा पार्ट है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः तो वहाँ तो जैसे स्थूल बलिदान दे दिया अपने बेटे को मरवा के दुश्मन के हाथों राजा की (जान बचाई)।

बाबाः यहाँ मरना-मारना किसे कहा जाता है?

जिज्ञासुः यहाँ तो देहअभिमान से मरने की बात है।

बाबाः हाँ, यहाँ जिन्दा होना माने बाप का बच्चा बनना, निश्चयबुद्धि बनना माने बच्चा बनना। अनिश्चयबुद्धि बना देना, बन जाना माना मर गया।

Time: 21.48-24.27
Student: The next question is: Does the *shooting* of the part of Panna Dhaay (maid Panna), who saved the life of the King of Mewar Maharana Uday Singh by sacrificing her son, take place in the Confluence Age, too?
Baba: The *shooting* of all the parts of 500 crore souls in the world takes place only in the Confluence Age . Leave alone the topic of maid Panna.
Student: Hers was a very elevated part.
Baba: Yes. It is a very nice *part* of loyalty (*vafaadaari*) and sacrifice (*tyaag*).
Student: So, just as she gave a physical sacrifice there by getting her son killed at the hands of the enemy and [saved the life of] the king.
Baba: What is meant by dying and killing here?
Student: Here, it is about dying from body consciousness.
Baba: Here, coming to life means to become the Father's child; to develop faith means to become a child. To make someone lose faith or to lose faith oneself means to die.

जिज्ञासुः या ऐसा कह सकते हैं कि यहाँ जो पन्ना धाय का पार्ट बजाने वाले होंगे वो अपने बच्चों को नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा होके ईश्वरीय सेवा में समर्पित कर देंगे। ऐसा भी हो सकता है?

बाबाः समर्पित कर देने से निश्चयबुद्धि बन जाते हैं? नाबालिग बच्चे हैं, उतनी बुद्धि नहीं है, तो उनको अर्पण कर दिया तो वो बच्चे अपने पार्ट को जान जाते हैं क्या? निश्चयबुद्धि होते हैं क्या?

जिज्ञासुः नहीं, नाबालिग ना हो, समझो बालिग हो।

बाबाः बालिग को तो सरेण्डर करने की बात ही नहीं है। बालिग होता है, वो तो अपनी बुद्धि चलाएगा कि हमें जाना है या नहीं जाना है। मना कर देगा। नहीं जाएगा।

जिज्ञासुः तो यहाँ किस प्रकार से ये शूटिंग चलती है पन्ना धाय की?

बाबाः इसी तरह चलती है। वो जिसके लिए वफादार है उसी के लिए वफादार रहेगी। अपने लिए नहीं, अपने बच्चों के लिए नहीं।

Student: Or can we say that those who play the part of maid Panna will surrender their children in the Divine service by becoming *nashtomohaa smritilabdhaa*[6] completely. Is this also possible?

[6] Conquering attachment and regaining the awareness of the self

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Does someone develop faith by surrendering [their children]? There are minor children; they do not have much intellect (wisdom); if they are surrendered, do those children know their *part*? Do they develop faith?
Student: No, they may not be minor, suppose they are major.
Baba: There is no question at all of surrendering someone who is major. If someone is major, he will use his own intellect whether he should go or not. He will refuse [to go]. He will not go.
Student: So, how does this shooting of maid Panna take place here?
Baba: It takes place just like this . She will remain loyal to the one to whom she is loyal. Not for herself; not even for her children.

जिज्ञासुः माना यहाँ संगमयुग में जो शिवबाबा का कार्य है उसके प्रति वो वफादार रहेंगे।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः उसमें अपना लौकिक....

बाबाः लौकिक संबंध के प्रति निभाना उनकी बुद्धि में नहीं रहेगा, कम्पेरिज़न में। वैसे अपने बच्चों की सभी परवरिश करते हैं। लेकिन जहाँ कम्पेरिजन आ जाएगा वहाँ एक के प्रति सारा लगाव लगाएंगे।

Student: It means that they will remain loyal to Shivbaba's task in the Confluence Age.
Baba: Yes.
Student: Their *lokik*…
Baba: Their intellect will not think of maintaining *lokik* relationships in comparison [to the *alokik* relationship]. In fact, everyone takes care of his children. But where there is a question of *comparison*, they will direct all their attachment towards the One.

समयः 27.01-31.00

जिज्ञासुः बाबा कहते हैं कि सर्विसेबुल बच्चों को बाप याद करते हैं। तो यह किस बाप की बात है – शिव बाप या राम बाप? यदि राम बाप की बात है तो उसे तो उन्हीं बच्चों की सेवा के बारे में पता चलेगा जिसकी रिपोर्ट उसके पास आती है। जिनकी सेवा की रिपोर्ट जानबूझकर या अनजाने में राम बाप तक नहीं पहुंचती है, उनको बाप की याद का बल नहीं मिलेगा क्या?

बाबाः मुरली में तो बोला है बाप को बच्चे के हर पोतामेल की जानकारी होना चाहिए। हर एक्टिविटी की जानकारी होना चाहिए।

जिज्ञासुः होना चाहिए, लेकिन अगर नहीं मिल पाती है तो?

बाबाः नहीं मिल पाती है तो वो उसकी गल्ती है। वो पोतामेल पूरा नहीं दे पाता है तो वो उसकी गल्ती है। लेकिन बाबा ने तो यही नियम बनाया है कि साकार को जानने के लिए पोतामेल है। लिखकरके देना। निराकार को तो सब मालूम है। वो तो अंतर्यामी है।

जिज्ञासुः नहीं, पोतामेल तो सिर्फ धारणा की बात हो गई ना। सेवा की बात...?

बाबाः सेवा भी धारणा की बात है।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 27.01-31.00
Student: Baba says that the father remembers the serviceable children. So, it is about which father? Is it Father Shiva or father Ram? If it is about the father Ram, then he will know about the service of only those children whose report reaches him. Will not those whose report of service does not reach father Ram deliberately or by chance get the power of father's remembrance?
Baba: It has been said in the murlis that the father should have the information of every *potaamail*[7] of a child. He should have the information of [his] every *activity*.
Student: He should have; but if he is not able to get it?
Baba: If he (the father) is not able to get it, then it is his (the child's) mistake. If someone is not able to give his complete *potaamail,* then it is his mistake. But Baba has framed the rule that giving the *potaamail* in writing is meant for the information of the corporeal one. The incorporeal One knows everything. He is *antaryaami*[8] .
Student: No, *potaamail* is only about *dhaaranaa*[9], isn't it? As regards service…
Baba: Service is also a topic of *dhaaranaa*.

जिज्ञासुः समझो कोई गरीब आदमी है, अनपढ़ आदमी है, लेकिन बाबा की सेवा कर रहा है कहीं पर भी कोने में देश के।
बाबाः किसी की सेवा अंत तक अप्रत्यक्ष रहेगी? (जिज्ञासु – प्रत्यक्ष तो होगी) तो फिर? जितना लम्बे समय के बाद प्रत्यक्ष होगी उतना ज्यादा इंट्रेस्ट मिलेगा। कोई अपनी सेवा को प्रत्यक्ष कर देते हैं। कोई गुप्त रखते हैं। गुप्त रखना अच्छा है, गुप्त दान महाकल्याण या प्रत्यक्ष करना अच्छा है?
जिज्ञासुः गुप्त दान महाकल्याण।
बाबाः फिर? जो अपना प्रभाव पुरस्सर करना चाहते हैं संसार के सामने वो अपनी सेवा प्रत्यक्ष करेंगे। दूसरों को सुना-सुना के कहेंगे, करेंगे।
जिज्ञासुः क्योंकि अभी तो ऐसा देखा जा रहा है एडवांस पार्टी में कि बाबा तक हर बात जो है पहुँचती नहीं है सब जगह की।
बाबाः तो उसके लिए चिन्ता करनी चाहिए? चिन्ता कौन करेंगे? अपनी सेवा को प्रत्यक्ष करने वाले चिन्ता करेंगे या गुप्त रखने वाले चिन्ता करेंगे?

Student: Suppose someone is poor, illiterate, but is doing Baba's service in some corner of the country.
Baba: Will anybody's service remain hidden till the end? (Student: It will be revealed.) So, then? The longer time it takes to be revealed, the more *interest* he will earn on it. Some reveal their service. Some keep it hidden. Is it good to keep it hidden, is secret donation most beneficial (*guptdaan mahaakalyaan*) or is it good to reveal it?
Student: Secret donation is most beneficial.
Baba: Then? Those who want to promote their influence in front of the world will reveal their service. They will narrate it to others and do service.

[7] A letter to Baba containing the account of the secrets and weaknesses of one's body, mind and wealth
[8] The one who knows the inner thoughts or feelings of others
[9] Putting into practice the divine virtues

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: It is because it is being observed now in the advance party that every report of every place does not reach Baba.
Baba: So, should you worry about it? Who will worry? Will those who reveal their service worry or will those who keep it hidden worry?

जिज्ञासुः जिनको अपना प्रत्यक्ष करना है वो चिन्ता।
बाबाः तो किस लिस्ट में हैं? कृष्ण की लिस्ट में हैं या राम की लिस्ट में हैं? (जिज्ञासु – कृष्ण की।) फिर? क्राइस्ट को फालो करने वाले हैं ना। क्यों चिन्ता करनी चाहिए कि हमारी सेवा पहुँची या नहीं पहुँची, जानकारी हुई या नहीं हुई? अरे, जो सेवा करता है उसका रिजल्ट तो अपने आप पहुँच जाएगा। जिसकी सेवा करेंगे वो ही कहेगा इन्होंने हमको बताया तब हमको पता चला। नहीं (तो) हम तो बिल्कुल अज्ञान में थे। वो खुद ही प्रत्यक्ष करेगा। दूसरा प्रत्यक्ष करे, हम इसकी चिन्ता न करें कि प्रत्यक्ष हुई है या नहीं हुई?

Student: Those who have to reveal their [service] will be worried.
Baba: So, in which *list* are they included? Are they in the *list* of Krishna or in the *list* of Ram? (Student: Of Krishna.) Then? They are the ones who *follow* Christ, aren't they? Why should we worry whether our service has reached [Baba] or not, whether He has come to know or not? *Arey*, the *result* of whatever service someone does will automatically reach [Baba]. The one whom we serve will himself tell [Baba] that this person narrated [the knowledge] to us; then we came to know. Otherwise, we were completely ignorant. He will reveal [you] himself. Others should reveal [us]; we should not worry whether it (our service) has been revealed or not.

जिज्ञासुः अभी तो एडवांस पार्टी में नए-नए भट्ठी करने वालों की संख्या फिर भी लिमिटेड है तो लोगों में होड़ लगी रहती है कि निश्चय पत्र में, जो नई आत्माएं आती हैं वो हमारा नाम लिख दें कि इन्होंने हमें संदेश दिया, इन्होंने...
बाबाः समझ लो वो क्रिश्चियानिटी वाली हैं आत्माएं या गुप्त रखने वाली आत्माएं हैं? (जिज्ञासु – क्रिश्चियानिटी।) ब्रह्मा बाबा के फालोअर्स हैं या राम बाप के फालोअर्स हैं?
जिज्ञासुः माना अगर समझो कोई, संदेश कोई देता है लेकिन कोई और जो है अपना प्रभाव डाल के अपना नाम लिखवा देता है।
बाबाः तो चुप रहो। जब जानते हैं किसी की कुछ भी सेवा अप्रत्यक्ष रहने वाली नहीं है। आगे चलके सब कुछ प्रत्यक्ष हो जावेगा। पोतामेल भी सबके प्रत्यक्ष हो जावेंगे। जिनको हम समझते हैं ये हमारे बड़े प्यारे हैं – ये नहीं कुछ बताएंगे। वो ही बताने लग पड़ेंगे।

Student: Now the number of newcomers who do *bhatti* is limited in the advance party, so there is a competition [among the PBKs] that the newcomer souls should write their name in the letter of faith (*nishcay patra*) that this person gave us message, this person…
Baba: You can understand whether they are souls from Christianity or are the souls that keep [the service] hidden. (Student: Christianity.) Are they followers of Brahma Baba or are they followers of father Ram?
Student: I mean to say, suppose someone gives message [to someone], but someone else influences him (the newcomer) and makes him write his name [as introducer].

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Then, keep quiet. You know that no service of any person is going to remain hidden. Everything will be revealed in future. Everybody's *potaamail* will also be revealed. We think: 'this person is very dear to me, he will not reveal anything'. He himself will only start telling [everything].

समयः 32.45-39.10

जिज्ञासुः बाबा तो संगम में सरल हिन्दी में ज्ञान सुनाते हैं, लेकिन द्वापर, कलियुग में 2500 वर्ष के लिए संस्कृत जैसी क्लिष्ट भाषा ही धर्मग्रंथों की भाषा क्यों बनती है? इसकी शूटिंग संगम पर कैसे होती है?

बाबाः भाषा होती है.... कोई बात कहेगा, और वो बात उसकी समझ में नहीं आती है, भले ही हिन्दी में बोल रहा है। और दूसरों की समझ में आ रही है। वो भी हिन्दी भाषा भाषी, वो भी हिन्दी भाषा-भाषी। लेकिन जो बात कही गई वो एक को समझ में अच्छी तरह आ गई, और दूसरे को समझ में नहीं आई। तो कहेंगे इनकी भाषा ही ऐसी है। हमारे समझ में, हमारे पल्ले नहीं पड़ती।

Time: 32.45-39.10
Student: Baba narrates knowledge in easy Hindi in the Confluence Age, but why does a complex language like Sanskrit become the language of religious scriptures for 2500 years in the Copper Age, Iron Age? How does its *shooting* take place in the Confluence Age?
Baba: There is a language … someone says something; and that person (listener) doesn't understand what he said even if he (speaker) is speaking in Hindi. And others are able to understand it. That person (first listener) is also a Hindi-speaking person and that person (second listener) is also a Hindi speaking person. But the topic spoken was understood well by one person and the other person did not understand it. So, it will be said that his language itself is like this. I cannot understand it.

तो ये जो एडवांस नॉलेज है ये भी सुधरा हुआ ज्ञान है। सुधरा हुआ गीता ज्ञान है। (जिज्ञासुः सबको समझ में नहीं आता।) हाँ, बाकी वो जो पाली और प्राकृत, जो चल रही थी, वो सुधरा हुआ नहीं है। अनसुधरेली भाषाएं हैं। (जिज्ञासु – तो इसी की यादगार में फिर संस्कृत।) वो संस्कृत चली है। वो हद की बात है, ये बेहद की बात है।

So, this *advance knowledge* is also a refined knowledge. It is a refined knowledge of Gita. (Student: Everyone cannot understand it.) Yes. But Pali and Prakrit[10], which were prevalent were not refined. They are unrefined languages. (Student: So, in its memorial Sanskrit...) That Sanskrit is in practice. That is in the limited and this is in the unlimited .

वो ही एडवांस ज्ञान बी.के वालों को नहीं समझ में आता (यदि) उनको कुछ सुनाओ। और वो ही एडवांस ज्ञान जो बीजरूप आत्मा होगी बी.के की उसको बहुत समझ में आता है। वो चाहता है कि हमको लगातार 24 घंटे सुनाते ही रहें। वो उठकरके भाग जाएगा। सर में दर्द हो जाएगा। तो वो संस्कृत उसके पल्ले नहीं पड़ रही है ना। संस्कृत माना सुधरी हुई। सुधरी

[10] languages spoken by commoners several centuries ago before the advent of Hindi in India

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

हुई चीज़ उसको नहीं पल्ले पड़ रही है। और उसको पल्ले पड़ रही है। यानी वो संस्कृत भाषा सीखा हुआ है। वो सीखा हुआ नहीं है।

जिज्ञासुः जैसे हम इंटरनेट बी.के वालों को ढ़ेर समझाते हैं कि ब्रह्मा बाबा के चित्र रखना जो है मुरलियों में मना किया गया है। (बाबाः हाँ।) वो गीत बजाना मना किया गया है, फिर भी वो समझते नहीं। उनको वो ही अच्छा लगता।

बाबाः वो ही अच्छा लगेगा। नहीं मानेंगे।

जिज्ञासुः चाहे कितने ही मुरली के प्रूफ दे दो।

बाबाः उनको तुम्हारी भाषा समझ में नहीं आती।

The same *advance* knowledge is not understood by the BKs [if] you narrate something to them. And the same *advance* knowledge is understood very well by a BK who is a seed form soul. He wants us to keep on narrating [the advance knowledge] to him for 24 hours. And that person (who is not a seed form soul) will stand up and run away. He will develop pain in the head. So, that Sanskrit is not being understood by him, is it? Sanskrit means refined. The refined thing is not being understood by him (the one who is not a seed form soul). And it is being understood by him (the seed form soul). It means that he (the seed-form soul) has learnt Sanskrit language. He (the one who is not a seed form soul) has not learnt it.

Student: For example, we explain a lot to the BKs on the internet that keeping Brahma Baba's photographs has been prohibited in the murlis. (Baba: Yes) Playing of songs has been prohibited; yet they do not understand. They like just that.

Baba: They will like just that . They will not accept.

Student: However much we may provide them proofs from the murlis.

Baba: They do not understand your language.

जिज्ञासुः वो सिर्फ एक ही रट लगाए रखते हैं कि तुम सिर्फ बी.के वालों को ही क्यों पकड़ते हो? तुम अपना ज्ञान दूसरों को जाके क्यों नहीं सुनाते हो?

बाबाः तो बी.के वाले दुनियावालों को ज्ञान क्यों सुनाते हैं भक्तिमार्ग वालों को? भक्तिमार्ग वाले कहेंगे तुम हमको ही क्यों आकरके सुनाते हो? तुम जाके विदेश में ज्ञान सुनाओ। अरे तुमने भी तो किसी को सुनाया है ना। सुनाया है तभी तो वो बी.के नॉलेज में आ रहे हैं। तुम बी.के तक सीमित रह गए। यहाँ मनन-चिंतन-मंथन करके आत्माएं जो आगे बढ़ रही हैं उन्होंने गहराई को पकड़ लिया है। वो गहराई की भाषा तुम्हारी समझ में नहीं आती है। तुम संस्कृत जानने वाले विद्वान, पण्डित, आचार्य नहीं हो। ये वेदवाणी को जानने वाले विद्वान, पण्डित, आचार्य हैं।

जिज्ञासुः वो उदाहरण देते हैं कोयल का कि जैसे कोयल जो है कौए के घोंसले में जाकरके अपना अण्डा रख देती है इसी तरह तुम पी.बी.केज़ जो है सिर्फ बी.के वालों को ही पकड़ते हो।

बाबाः तुम दुनियावालों के ही अण्डे पकड़ते हो। तो तुमसे तो अच्छे हम हैं ना।

Student: They keep saying only one statement: Why do you catch only the BKs? Why don't you narrate your knowledge to others?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: So, why do the BKs narrate the knowledge to the people of the world, to those who follow the path of *bhakti*? Those who follow the path of *bhakti* will tell [the BKs] that why do you come and narrate only to us? Go and narrate it in the foreign countries. *Arey*, you have also narrated it to someone, haven't you? You have narrated it, that is why they are coming to the BK *knowledge*. You limited yourself to the level of BKs. Here, the souls that are moving ahead after thinking and churning have grasped the depth. You don't understand that deep language. You are not scholars, pundits and teachers who can understand Sanskrit. These are the scholars, pundits and teachers who know the *Vedvani*.
Student: They give the example of cuckoo bird that just as the cuckoo bird lays its egg in a crow's nest, similarly, you PBKs catch only the BKs.
Baba: You catch the eggs of the people of the world; so, we are better than you, aren't we?

जिज्ञासुः वो ज्ञान के आधार पर जवाब दे नहीं पाते तो बस ये ही ग्लानि की बातें जो है कहते हैं ।

बाबाः तो तुम्हारे पास जवाब कम है क्या?

जिज्ञासुः जवाब तो देते रहते हैं हम।

बाबाः जवाब देते रहते हैं लेकिन विश्वास नहीं है कि हमने जो जवाब दिये वो कम्प्लीट हैं या नहीं हैं।

जिज्ञासुः नहीं, विश्वास तो है।

बाबाः विश्वास है तो काहे के लिए ये पुलिन्दा लेके आए फिर?

जिज्ञासुः इनमें से तो कई हमने जवाब दिये हुए हैं। ऐसा नहीं है कि जवाब नहीं दिये हैं।

बाबाः ठीक है अभी और दे दो। जिसके न दिये हों, ठीक से, अच्छे से उनको दो जवाब। हाँ।

जिज्ञासुः अब वो क्योंकि एडवांस वाले भी सारे बाबा के मुख से सुनते हैं ज्ञान तो उनको सही लगता है और हम जवाब देते हैं तो सोचते हैं कि ये अपनी मनमत पे जवाब दे रहे हैं। कई पी.बी.केज़ भी इस तरह से इंटरनेट पर पढ़ने वाले हैं वो समझते हैं। तो इसलिए एक बार बाबा से कई चीज़ें वेरिफाय करवा लें तो ठीक रहता है।

बाबाः तो वो वेरिफाय करें ना।

जिज्ञासुः वो इतनी मेहनत तो करते नहीं हैं ना।

Student: They cannot give answers on the basis of knowledge, so they just narrate these topics of defamation ...
Baba: So, do you have any shortage of replies?
Student: We keep on replying.
Baba: You keep on replying but you don't have faith that the replies you have given are *complete* or not.
Student: No, we do have faith.
Baba: If you have faith, then why have you brought this bundle?
Student: Many of these have been answered by me. It is not that I haven't replied.
Baba: It is ok. Give them further replies. If you have not answered any of the questions properly, then give them reply. Yes.
Student: Well, just because when those from the advance party listen to knowledge through Baba's mouth, they find it right and when we give reply then they think that this person is

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

giving reply on the basis of his own thinking. There are many PBKs reading on the internet who think like this. So, that is why it is good if we get many things verified by Baba once.
Baba: So, let them get it verified, can't they?
Student: They do not make so much effort.

बाबाः जो आदमी सागर की गहराईयों में घुसेगा तो रतन मिलेंगे। बाहर ही बैठा रहेगा तो कहाँ से मिलेंगे? पुरुषार्थ तो करना पड़ता है। उन्हें इतनी चाह नहीं है।
जिज्ञासुः कई तो इनमें मेरे भी प्रश्न शामिल हैं बाबा। सारे इंटरनेट वाले नहीं हैं। कुछ तो मुरली-वुरली के हैं, कुछ मेरे भी शामिल हैं, जो मतलब मुरलियाँ पढ़ते सुनते टाइम जो कुछ, कुछ-कुछ प्रश्न मेरे मन में भी उठे हैं वो भी इसमें शामिल हैं।
बाबाः तो उसके लिए बैठे क्यों रहे?
जिज्ञासुः मौका मिला नहीं, जमा होते रहे।
बाबाः क्लास नहीं हुआ क्या दिल्ली में?
जिज्ञासुः बाबा वहाँ बच्चे ही इतने ढ़ेर सारे प्रश्न पूछते रहते हैं, छोटे-छोटे, वो ही भक्तिमार्ग के बारे में।
बाबाः अच्छा भक्तिमार्ग वालों को चांस देना है। ☺ ज्ञान के प्रश्न पूछने के चांस नहीं देना है? चलने दो भक्तिमार्ग! होने दो बाबा का टाइम वेस्ट!

Baba: The person who dives into the depths of the ocean will get gems. If someone just sits outside, then how will he get it? He has to make *purushaarth*. They do not have the desire to that extent.
Student: Baba, many of these questions include my questions as well. All are not from the internet. Some are from the *murlis*, some are my questions also which have emerged while reading and listening to the *murlis*; some questions have come in my mind also; they are also included among these questions.
Baba: So, why did you sit [waiting] for them [to be cleared] ?
Student: I did not get a chance; and they continued to pile up.
Baba: Wasn't a class organized in Delhi?
Student: Baba, there [small] children ask so many questions about the path of *bhakti.*
Baba: *Acchaa*, so you have to give *chance* to the people of the path of *bhakti*? ☺ You don't want to allow questions related to knowledge to be asked. Let the path of *bhakti* flourish! Let Baba's time be wasted! … (to be continued.)

Part-3

समयः 39.14-41.30

जिज्ञासुः अगला प्रश्न है - शिवाजी के बाद महाराष्ट्र में पेशवाओं का जो राज्य चला उसका इतिहास पढ़ने से पता चलता है कि सत्ता के मोह में पेशवा पद के दावेदारों ने एक दूसरे की या पेशवाओं की हत्या कर दी। बाबा तो कहते हैं कि इस तरह हत्या करना मुस्लिम राजाओं का काम है। तो जिन हिन्दू राजाओं ने ऐसे काम किये क्या उनके लिए यह कहा जा सकता है कि वे मुस्लिम धर्म की कन्वर्टेड आत्माएं हैं?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः एडवांस पार्टी में जो शिवबाबा का पार्ट है उसके बाद जो और फालोअर्स होंगे उनका वैसा ही पार्ट होगा या कुछ नीचा पार्ट होगा? (जिज्ञासु – नीचा पार्ट होगा।) ऐसे ही है शिवाजी और शिवाजी के बाद जो भी आए उनके पीछे-पीछे वंशावली में।

जिज्ञासुः आखरी पेशवा जो था उनकी तो पेंशन भी बंद कर दी थी इन्होंने (बाबा – हाँ।) नाना साहेब वगैरह। (बाबा – हां।)

बाबाः चलो। जब शिवाजी और शिवाजी की सीधी संतान, क्या शंभाजी नाम था? (जिज्ञासु – शंभाजी।) उसमें ही इतना अंतर हो गया तो और बाद की पीढ़ियों में अंतर नहीं होगा? वो तो और नीची गिरी हुई मेंटेलिटी वाली बनेंगी। अरे रुद्रमाला के मणके दुनिया में सबसे जास्ती नीचे गिरते हैं कि और धर्म वाले ज्यादा नीचे गिरते हैं? मेंटेलिटी में? (जिज्ञासु – रुद्रमाला।) बस यही जवाब है।

Time: 39.14-41.30
Student: The next question is: By reading the history of the rule of the Peshwas after Shivaji in Maharashtra we come to know that the claimants to the post of Peshwa killed each other or the Peshwas in the attachment for kingship. Baba says that it is the task of the Muslim kings to kill someone like this. So, can it be said for those Hindu kings who performed such tasks that they are converted souls of the Muslim religion?
Baba: Will the *followers* who came after Shivbaba's *part* in the *advance party* play the same *part* or a lower *part*? (Student: They will play a lower part.) It is the same case with Shivaji and those who were born after him in his dynasty.
Student: They (the British rulers) had even stopped the pension of the last Peshwa (Baba : Yes.) Nana Saheb, etc. (Baba : Yes.)
Baba: OK. When Shivaji and his direct progeny; was his name Shambhaji? (Student: Shambhaji.) When there was so much difference in him [when compared to Shivaji] then will there not be difference in the later generations? They will have much low *mentality*. *Arey,* do the beads of the *Rudramala*[11] experience the maximum downfall in the world or do people of other religions experience more downfall in their *mentality*? (Student: The *Rudramala*.) That is all. This is the reply.

समयः 42.05-43.20

जिज्ञासुः बाबा, हैदराबाद की एक सी.डी में किसी भाई ने प्रश्न किया था कि क्या ऐसा कोई व्यक्ति, जिसे हम अपने परिवार से भी ज्यादा प्यार करते हैं, विश्वास करते हैं, वह भी ज्ञान में आयेगा क्या अंत में? वह अपने प्रश्न को ठीक से समझा नहीं पाया था। इसलिए वह जो प्रश्न पूछना चाहता था उसका समाधान न हो पाया। इसलिए इसको कृपया थोड़ा सा स्पष्ट करें।

बाबाः लक्ष्मी हमारे परिवार की है? है? (जिज्ञासु – अभी तो नहीं।) नहीं है। लेकिन बहुत से ऐसे हैं जो लक्ष्मी की वाणी अभी भी सुनना पसन्द करते हैं, कैसेट लिए-लिए फिरते हैं, दूसरों को बांटते हैं।

जिज्ञासुः वो जो अभी चल रहा है।

[11] Rosary of Rudra

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ, बाबा की वाणी नहीं सुनेंगे। (जिज्ञासु – ज्वालामुखी योग।) हाँ, जो भी हो। हाँ, जी।

जिज्ञासुः माना ऐसी आत्माएं भी आ जाएंगी ज्ञान में जिनको हम अपने परिवार से भी ज्यादा प्यार करते हैं।

बाबाः लक्ष्मी और नारायण में अभी अन्तर है। भविष्य में तो अन्तर ज्यादा नहीं रहेगा। भविष्य में लक्ष्मी वाली आत्मा राम का पद प्राप्त करेगी कि नहीं करेगी? (जिज्ञासु – करेगी।) तो फिर?

Time: 42.05-43.20
Student: Baba, in one of the [discussion] CDs of Hyderabad a brother had asked a question: Will any such person, whom we love more than our family and trust him obtain knowledge in the end? He (the brother) was unable to explain his question properly. This is why he could not get the answer for the question that he wanted to ask. This is why kindly explain this a little.
Baba: Does Lakshmi belong to our family? Does she? (Student: Not at present.) She doesn't. But there are many people who like to listen to Lakshmi's versions even now; they move about with cassettes of hers and distribute it to others.
Student: That which is going on now.
Baba: Yes. They will not listen to Baba's *vani*. (Student: *Jwalamukhi* [volcanic] yoga.) Yes, whatever it is. Yes.
Student: It means that such souls will also enter the [path of] knowledge whom we love more than our family.
Baba: There is a difference between Lakshmi and Narayan now. There will not be much difference in future. Will the soul of Lakshmi achieve the position of Ram in future or not? (Student: She will.) Then?

समयः 44.02-47.30

जिज्ञासुः बाबा, भारत में अंग्रेजी साम्राज्य सत्ता सन 1857 के भारत की जो पहले स्वतंत्रता संग्राम का युद्ध हुआ था उसकी शूटिंग संगमयुग में कैसे होती है?

बाबाः अभी ब्राह्मणों के यज्ञ में बेसिक में देखा जाए तो मुख्य भाई कौन-कौन से माने जाते हैं? (जिज्ञासुः निर्वैर भाई, रमेश भाई।) और?

जिज्ञासुः करुणा भाई, बृजमोहन भाई।

बाबाः बृजमोहन भाई। और ज्याद सत्ता किसके हाथ में है?

जिज्ञासुः ये रमेश भाई।

बाबाः बस। जिसके हाथ में ज्यादा सत्ता है, वो ही मुखिया के तौर में अंत में आ जाएगा।

जिज्ञासुः तो वो क्रिश्चियन धर्म के।

बाबाः बाबा ने तो मुरली में बोला है किसी क्रिश्चियन को भी प्रेसिडेंट बना के बैठा देंगे।

जिज्ञासुः तो फिर ये जो 1857 का स्वाधीनता संग्राम है, तो इसकी शूटिंग कैसे होगी? फिर जब वो क्रिश्चियन अत्याचार करने लगेंगे तब उनके विरोध में फिर सच्चा ज्ञान सुनने वाले जो हैं उनको वो फिर उनको उखाड़ फेंकेंगे।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः महाकाली का पार्ट नहीं है क्या? जगदम्बा का पार्ट है या नहीं है? (जिज्ञासु – है।) बस। जगदम्बा ही महाकाली बनती है।

Time: 44.02-47.30
Student: Baba, how does the shooting of the first war for independence of India of 1857 against the British Empire take place in the Confluence Age?
Baba: If you look at the basic *yagya* of Brahmins now, which brothers are considered to be the main ones? (Student: Nirwair bhai, Ramesh bhai.) And?
Student: Karuna bhai, Brijmohan bhai.
Baba: Brijmohan bhai. And in whose hands is greater power?
Student: Ramesh bhai.
Baba: That is all. The one who wields more power will emerge as a chief in the end.
Student: So, he is from the Christian religion.
Baba: Baba has said in the murli that a Christian will also be seated as the President [of India].
Student: So, then how will the shooting of the war of independence of 1857 take place? When those Christians start committing atrocities then those who listen to the true knowledge will stand up in opposition and uproot them.
Baba: Is there not the *part* of Mahakali? Is there the *part* of Jagdamba or not? (Student: There is.) That is all. Jagdamba herself becomes Mahakali.

जिज्ञासुः तो वो फिर लक्ष्मीबाई का पार्ट कहें?

बाबाः अरे, यहाँ और किसका है?

जिज्ञासुः क्योंकि सन□सत्तावन की लड़ाई में तो लक्ष्मी बाई की ही मुख्य भूमिका थी – लक्ष्मीबाई, नाना साहेब (बाबा – हाँ।) तांत्या टोपे वगैरह। (बाबा – हाँ।) तो अगर ब्राह्मणों की दुनिया से वो क्रिश्चियंस का राज खतम करना है तो फिर उनका ही पार्ट हो जाएगा।

बाबाः हो जाएगा।

जिज्ञासुः मैं आगे प्रश्न पूछने वाला था। आपने अभी जवाब दे दिया कि लक्ष्मीबाई का पार्ट किसका है।

बाबाः लक्ष्मी वो सतयुग की है या तमोप्रधान युग की है? लक्ष्मीबाई तमोप्रधान युग की है या सतयुग की है?

जिज्ञासुः तमोप्रधान कलियुग अंत की है।

बाबाः कौन हो सकती है?

जिज्ञासुः जगदम्बा।

बाबाः फिर?

Student: So, can we call that the part of Lakshmi bai?
Baba: *Arey,* who else plays that part here?
Student: It is because Lakshmi bai played the main role in the struggle of 1857. Lakshmi bai, Nanasaheb (Baba : Yes.) Tatya Tope, etc. (Baba : Yes.) So, if the rule of the Christians is to be finished from the world of Brahmins then it will be just their part .
Baba: It will be.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: I was going to ask this question after some time. You gave the reply now about who plays the part of Lakshmi bai.
Baba: Is she Lakshmi of the Golden Age or of the *tamopradhan* age? Does Lakshmi bai belong to the *tamopradhan* age or the Golden Age?
Student: She belongs to the *tamopradhan* [period], the last period of the Iron Age.
Baba: Who could be she?
Student: Jagdamba.
Baba: Then?

जिज्ञासुः लेकिन नाम तो हो गया ना बाबा।

बाबाः क्या?

जिज्ञासुः कि सत्तावन की लड़ाई में मुख्य भूमिका निभाई उन्होंने।

बाबाः किसने?

जिज्ञासुः लक्ष्मीबाई ने।

बाबाः हाँ, तो तमोप्रधान युग की है या सतोप्रधान युग की लक्ष्मी है?

जिज्ञासुः तमोप्रधान युग की।

बाबाः बस। जगदम्बा ही कौन बनती है? महाकाली बनती है। हाँ। महाकाली बनती है तो असुरों का विनाश करती है।

जिज्ञासुः फिर गंगाधर राव का पार्ट किसका हुआ?

बाबाः जो गंगा को धर ले। (जिज्ञासु – प्रजापिता।) जो गंगा का धरौना कर ले वो गंगाधर का पार्ट।

Student: But Baba, she gained fame, didn't she?
Baba: What?
Student: That she played the main role in the struggle of 1857.
Baba: Who?
Student: Lakshmibai.
Baba: Yes. So, is she Lakshmi of the *tamopradhan* age or the *satopradhan* age?
Student: Of the *tamopradhan* age.
Baba: That is all. What does Jagdamba herself become? She becomes Mahakali. Yes. When she becomes Mahakali then she destroys the demons.
Student: Then who plays the part of Gangadhar Rao?
Baba: The one who holds Ganga. (Student: Prajapita.) The one who holds Ganga plays the part of Gangadhar.

समयः 48.43-50.52

जिज्ञासु ने कुछ पूछा।

दूसरा जिज्ञासुः अव्यक्त वाणी में , हर अव्यक्त वाणी में तीनों भाई मिलते हैं । तो उनको अव्यक्त बापदादा बोलते हैं कि आप तीनों मिलके एक राय होकर जो है कार्य करो।

बाबाः करो। लेकिन संभावना है कि ये तीनों मिलकरके कार्य कर सकेंगे? (जिज्ञासु – नहीं।) नहीं। लेकिन बेहद में बाबा बोलते हैं या हद में बोलते हैं? बाबा जो रमेश बोलते हैं तो कोई

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बेहद का पार्ट बजाने वाला रमेश है या हद के चित्र बनाने वाला रमेश है? (जिज्ञासु – हद का।) बाबा हद के चित्र बनाने वाले रमेश की तरफ बोलते हैं? (दूसरा जिज्ञासु – बेहद।) हाँ। ये तीनों ही बेहद के हैं।

Time: 48.43-50.52
Student asked a question.
Another student: In an avyakt vani, in almost all the avyakt vanis when the three brothers meet Avyakt Bapdada says: All the three of you, work together having one opinion.
Baba: Work. But is there any possibility that these three will be able to work together? (Student: No.) No. But does Baba speak in the unlimited or in the limited ? Baba speaks about Ramesh; so, is there any Ramesh who plays an unlimited *part* or is it the Ramesh who prepares limited pictures? (Student: Limited.) Does Baba speak about the Ramesh who prepares limited pictures? (The other student: Unlimited.) Yes, all three of them are unlimited.

रमेश माना क्या? रमा ईश। कौन हुआ? रमा का ईश कौन है स्वामी? रमा पार्वती को कहा जाता है। उसका स्वामी कौन है? शंकरजी। वो ही है बम्बई का हेड। हर-हर बम-बम। बम्बई है विनाशकारी। दिल्ली है स्थापनाकारी।

दूसरा जिज्ञासुः दोनों को प्रेरित करने वाला।

बाबाः वो तो शिवबाबा है।

जिज्ञासुः ऐसे मंथली जो ज्ञानामृत निकालते हैं उसमें भी दिया हुआ है कि कैसे उन्होंने प्रदर्शनी निकाला। रमेश भाई का पूरा दिया हुआ था कि कैसे उन्होंने प्रदर्शनी से आगे विदेश में सेवा की।

बाबाः बाबा ने कहा है माया की मत से प्रभावित होकरके ढ़ेर के ढ़ेर चित्र बनाए हैं। नहीं तो असली चित्र तो चार ही हैं पांच। त्रिमूर्ति, गोला, झाड़, सीढ़ी, लक्ष्मी-नारायण। और जो ढ़ेर के ढ़ेर चित्र बनाए हैं वो माया से प्रभावित होकरके बनाए हैं।

What is meant by Ramesh? *Ramaa iish* (Lord of Ramaa). Who is it? Who is the Lord (*iish*), i.e. husband of Ramaa? Parvati is called Ramaa. Who is her husband? Shankarji. He is the *head* of Bombay. *Har-har, bam-bam*. Bombay brings destruction. Delhi does the establishment.
The other student: The one who inspires both.
Baba: That is Shivbaba.
Student: It has also been mentioned in the monthly Gyanamrit magazine that how he started the exhibition [of pictures]. It has been mentioned about Ramesh bhai that how he did service in the foreign countries through exhibitions.
Baba: Baba has said that numerous pictures have been prepared under the influence of Maya. Otherwise, the original pictures are only four or five. *Trimurty*, Cycle, Tree, Ladder and Lakshmi-Narayan. Numerous other pictures have been prepared under the influence of Maya. … (to be continued.)

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Part-4

समयः 50.54- 53.53

जिज्ञासुः बाबा कहते हैं कि पांव छूने की दरकार नहीं। इसलिए बच्चे भी किसी को पांव छूने नहीं दे सकते। जो एडवांस या ज्ञान में चलने वाले हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति जो हमसे उम्र में कम है और कई बार मना करने के बावजूद भी हमारे पांव छूता है तो क्या इसे श्रीमत का उल्लंघन कहेंगे?

बाबाः वो अज्ञानी है, (या) ज्ञानी है?

जिज्ञासुः वो तो अज्ञानी है।

बाबाः अज्ञानियों को ज्ञान देकरके खुश करो या तो।

जिज्ञासुः वो समझते नहीं हैं ना बाबा।

बाबाः तो फिर उसमें हमारी गल्ती क्या है? हम तो पीछे हटते हैं या नहीं हटते हैं? (जिज्ञासु – हम तो हटते हैं।) बस। अब वो तो उनका काम है कि ये पीछे क्यों हटते हैं? संसार की परंपरा तो यही है कि छोटे बड़ों के पाँव छुएं। आप पीछे क्यों हट गए? वो पूछें तो हम जवाब दें। देह की पूजा करने की बात ही नहीं है।

Time: 50.54- 53.53
Student: Baba says that there is no need to touch the feet. This is why the children, who are in the advance [party] or follow the knowledge cannot allow anyone to touch their feet either. But if any person younger to us touches our feet despite being stopped to do so, then will this be called a violation of *shrimat*?
Baba: Is he ignorant, [or] knowledgeable?
Student: He is ignorant.
Baba: Either give knowledge to the ignorant people and make them happy.
Student: They do not understand Baba, do they?
Baba: So, we are not wrong in that case. Do we step backwards or not [when someone touches our feet]? (Student: We do step backwards.) That is all. Well, it is their job to find out why this person steps backward? The tradition of the world is that the younger people should touch the feet of the elders. Why did you step backwards? If they ask, then we should give reply. It is not about worshipping the body at all.

जिज्ञासुः हम तो उनको बताते हैं कि हम तो अपने बाबा के भी पांव नहीं छूते, न नमस्कार करते हैं, फिर हम तो लायक ही नहीं हैं कि आप हमारे पाँव छुएं। लेकिन समझते ही नहीं हैं।

बाबाः हाँ, जी। प्रश्न पूछने वाले को प्रश्न पूछना नहीं आया। पूछना था कि ये शूटिंग कहाँ होती है पाँव छूने की? भक्तिमार्ग में जो पाँव छूते हैं उसकी शूटिंग कहाँ से होती है? ये बुद्धि रूपी पाँव की बात है कि जो छोटे हैं, बच्चा बुद्धि हैं वो बड़ों के बुद्धि रूपी पाँव का स्पर्श करें। वहाँ तक पहुँचें। वो है पाँव छूना। ये पाँव छूने की तो बात ही नहीं है।

जिज्ञासुः माना अपने पुरुषार्थ को...

बाबाः इतना ऊँचा उठाएं कि वहाँ तक स्पर्श कर सकें।

जिज्ञासुः उन्होंने स्थूल में ले लिया उसको।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ।

Student: We do tell them that we do not even touch our Baba's feet; nor do we fold our hands in front of Him. Then, we are not worthy at all that you touch our feet. But they do not understand at all.
Baba: Yes. The one who asked the question couldn't ask it properly. He should have asked that where the *shooting* of touching the feet is performed. When is the *shooting* of the task of touching feet in the path of *bhakti* performed? It is about the foot like intellect that those who are young, those who have a child like intellect should touch the foot like intellect of the elders. They should reach there. That is called touching the feet. It is not about touching these feet at all.
Student: It means our *purushaarth*...
Baba: You should rise high [in *purushaarth*] to such an extent that you are able to touch them (the feet like intellect).
Student: They have adopted it in a physical form.
Baba: Yes.

समयः 55.30-58.10

जिज्ञासुः 27.11.08 की मुरली में कहा है कि रंगून की तरफ एक छम-छम तलाब है, जहाँ स्नान करने से परी बन जाते हैं। लेकिन वह परी आदि तो बनते नहीं। तो यहां रंगून के तलाब का बेहद में क्या अर्थ होगा?
बाबाः उनके रंग में रंगो। जिसके रंग में रंगने से तुमको ज्ञान योग के पंख आ जाएंगे। वो है रंगून। किनके रंग में रंगो? (जिज्ञासु – शिवबाबा।) शिवबाबा के रंग में रंगो, जो पार्ट भविष्य में आने वाला है। इनके रंग में न रंगो। उनके रंग में रंगना माना 'रंग ऊन'। ऊन के रंग में रंगो। उनके रंग में रंगेंगे तो परीजाद बन जावेंगे। ज्ञान योग के पंख आ जावेंगे। किसको बोला? (जिज्ञासु – भविष्य में आने वाले पार्ट के लिए।) **किसको** बोला? वो तो पार्ट की तरफ बोला। भविष्य में आने वाले, प्रत्यक्ष होने वाले बाप के पार्ट की तरफ इशारा किया लेकिन बोला किसको? (जिज्ञासु – बच्चों को।) खास किसके लिए बोला? (जिज्ञासु – तुम बच्चों को।) लक्ष्मी के लिए बोला। ☺ ये क्यों कहा? किससे कहा? लक्ष्मी से कहा। लक्ष्मी से क्यों कहा? क्योंकि वो ब्रह्मा बाबा के रंग में रंगी हुई है। इनके रंग में रंगी हुई है, उनके रंग में नहीं।

Time: 55.30-58.10
Student: It has been said in a murli dated 27.11.08 that there is a Chamcham pond near Rangoon. By bathing in it one becomes a fairy. But they do not become fairies etc. So, what is meant by the lake of Rangoon in the unlimited ?
Baba: Be coloured by that one's colour (*unke rang me*). By being coloured by that one's colour you will get the wings of knowledge and yoga. That is Rangoon. By whose colour should you be coloured? (Student: Shivbaba.) Be coloured by Shivbaba's colour; the *part* which is going to be played in future. Do not be coloured by the colour of this one. To be coloured by that one's colour (*unke rang me*) means '*rang uun'*. Be coloured by that one's colour. If you are coloured by that one's colour, then you will become a fairy (*parijaad*). You will get the wings of knowledge and yoga. To whom was it said? (Student: For the part that is going to be played in future.) To w**hom** was is said? That was said about the *part*. A hint was

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

given about the *part* of the Father which is going to arrive, going to be revealed in future, but to whom was it said? (Student: The children.) To whom was it said especially? (Student: You children.) It was said for Lakshmi. ☺ Why was this said? To whom was it said? It was said to Lakshmi. Why did He say [this] to Lakshmi? It is because she is coloured in Brahma Baba's colour. She is coloured in the colour of this one, not that one.

समयः 58.31-01.00.15

जिज्ञासुः फिर 27.11.08 की मुरली में बाबा ने कहा है "यहाँ तो तुम जब एक बाप के बच्चे हो बहन-भाई, ब्रह्माकुमार-कुमारियां। अगर गन्दे ख्यालात आयें तो उनको क्या कहेंगे? वह, जो नर्क में रहते हैं, उनसे भी ज्यादा हजार गुणा गन्दे गिने जायेंगे।" - ब्रह्माकुमार-कुमारियों के आपस में गन्दे ख्यालात चलने पर तो हजार गुणा पाप चढ़ता ही है पर यदि किसी ब्रह्माकुमार-कुमारी की किसी लौकिक व्यक्ति के प्रति गन्दे ख्यालात चलते हैं या गन्दी दृष्टि जाती है तो क्या तब भी हजार गुणा पाप चढ़ेगा उससे या उससे कम चढ़ेगा? माना आपस में ब्रह्माकुमारियों में गन्दे ख्यालात रखने से तो बाबा ने बोल दिया...

बाबाः वो तो इस्लामी होते हैं। नर्क की दुनिया वाले। वो देवता तो नहीं होते। लेकिन अगर वो इस्लामी या ब्रह्माकुमार-कुमारी ब्रह्माकुमार या कुमारीयों के प्रति आकर्षित नहीं होते, लगाव में नहीं आते, बाहर की कुमारियों के या कुमारों के लगाव में आते हैं, तो उनको उतना पापी नहीं कहेंगे।

Time: 58.31-01.00.15

Student: Then Baba has said in a murli dated 27.11.08 : "Here, when you are children of one Father, [you are] brothers and sisters, Brahmakumar-kumaris, if you have any dirty thoughts, then what will you be called? You will be said to be thousand fold dirtier than those who live in hell." If Brahmakumar-kumaris create dirty thoughts for each other, then they definitely accumulate thousand fold sins, but if any Brahmakumar-kumari creates dirty thoughts for any *lokik* person or if they have dirty vision, then will they accumulate thousand fold sins even in that case or will they accumulate lesser sins? I mean to say, in case Brahmakumaris create dirty thoughts for each other Baba has said that…

Baba: They are the people of Islam who belong to the world of hell. They are not deities. But if those people of Islam or the Brahmakumar-kumaris are not get attracted to a Brahmakumar or kumari, they do not have attachment for them but have attachment for the *kumaris* or *kumars* of the outside world, they will not be called sinful to that extent.

जिज्ञासुः माना संग के रंग में आ गए, बाहर की दुनिया में।

बाबाः हाँ, उतना पापी नहीं कहेंगे। बॉडिली कनेक्शन में अगर आते हैं तो।

जिज्ञासुः ईश्वरीय परिवार में अगर इस तरह की दृष्टि जाती है।

बाबाः तो महापापी।

जिज्ञासुः इस्लामी माने जाएंगे।

बाबाः हाँ, नर्क की दुनिया के भांती। पहले-पहले नरक की दुनिया के भांती कौन हुए, कौनसे धर्म वाले? इस्लामी। जरूर वो इस्लाम धर्म में कनवर्ट होने वाले हैं।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: It means that they were coloured by the company in the outside world.
Baba: Yes, they will not be called sinful to that extent if they come in *bodily connection*.
Student: If someone has such [dirty] vision in the Divine family.
Baba: Then they are the most sinful ones (*mahaapaapi*).
Student: They will be considered to be the people of Islam.
Baba: Yes, they are members of the world of hell. Who, the people of which religion are the members of the world of hell first of all? The people of Islam. They (Brahmins with dirty vision) are definitely going to convert to Islam .

समयः 01.02.04-01.03.10

जिज्ञासुः बाबा कहते हैं सिंगल ताजधारी राजायें डबल ताजधारी राजाओं के सामने माथा झुकाते हैं। तो ब्राह्मण परिवार में सिंगल ताजधारी और डबल सिरताज राजायें कौन हैं? बी.केज़ में तो सब रानियाँ ही हैं।

बाबाः और एडवांस में?

जिज्ञासुः एडवांस में तो राजाएं हैं।

Time: 01.02.04-01.03.10
Student: Baba says that kings with single crown (single *taajdhaari*) bow their head before the kings with double crown (double *taajdhaari*). So, who are the kings with single crown and double crown in the Brahmin family? Everyone in the BKs is a queen .
Baba: And in the advance [party]?
Student: There are kings in the advance [party].

बाबाः तो इसमें भी डबल ताजधारी और सिंगल ताजधारी हैं या नहीं है?

जिज्ञासुः डबल ताजधारी के लिए तो बाबा ने बताया जो सेवा और पवित्रता दोनों की जिम्मेवारी उठाते हैं।

बाबाः हाँ, कोई सेवा बहुत करते हैं, लेकिन पवित्रता में गड़बड़ कर देते हैं। तो सिंगल ताजधारी हुए या डबल ताजधारी हुए?

जिज्ञासुः सिंगल ताजधारी हुए। (बाबा – बस।) तो वो फिर उनकी पूजा करेंगे जो डबल ताजधारी हैं?

बाबाः हाँ, उनकी पूजा करेंगे। यहीं पूजा करेंगे। संगमयुग में ही उनको पूजा करनी पड़ेगी।

जिज्ञासुः मान सम्मान देना पड़ेगा।

बाबाः हाँ, जी। झुकना पड़ेगा।

Baba: So, are there souls with single crown and double crowns also among them or not?
Student: As regards the souls with double crown Baba has said that those who take up the responsibility of service as well as purity.
Baba: Yes, some do a lot of service, but they make a mistake in case of [following] purity. So, do they have single crown or double crown?
Student: They have single crown. (Baba: That is all.) So, then will they worship those who have double crown.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes, they will worship them. They will worship here itself. They will have to worship in the Confluence Age itself .
Student: They will have to give them respect and regard.
Baba: Yes. They will have to bow.

समयः 01.03.55-01.05.45

जिज्ञासुः दिनांक 13.12.08 की मुरली में कहा है – एक सेकण्ड में जीवनमुक्ति क्यों कहते हैं। जैसे राजा जनक का मिसाल है। उनका नाम जनक था परन्तु भविष्य में वही अनुजनक बनता है। जैसे राधे अनुराधे बनती है। कोई का नाम नारायण है तो भविष्य में अनुनारायण बनता है। यह एक्यूरेट बात है। तो अनुनारायण अथवा अनुराधा का मतलब क्या हुआ?
बाबाः जो अनु माने, जो पीछा करे, फालो करे। उसको अनु कहते हैं। फालो करने वाला। संगमयुगी नारायण को कौन फालो करता है अव्वल नम्बर में? संगमयुगी नारायण को लक्ष्मी-नारायण को अव्वल नम्बर में फालो करने वाली आत्माएं कौन ? (जिज्ञासु – अष्ट देव।) हँ?
जिज्ञासुः ब्राह्मण परिवार में एडवांस में तो अष्ट देव ही हुए जो पूरी तरह से फालो करते हैं।
बाबाः बच्चा बाप को फालो नहीं करता है? (जिज्ञासु – करता है।) तो ब्रह्मा बाबा और सरस्वती फालो करने वाले नहीं हुए? फर्स्ट लक्ष्मी-नारायण सतयुग के नहीं हुए? वो सब अनु हैं। सेकण्ड नारायण, सेकण्ड, थर्ड, फोर्थ, सेवन्थ।

Time: 01.03.55-01.05.45
Student: It has been said in the murli dated 13.12.08: "Why do you say *jiivanmukti* (liberation in life) in a second? There is an example of King Janak. His name was Janak, but he himself becomes Anujanak in future. Just as Radhe becomes Anuradhe. If someone's name is Narayan, he becomes Anunarayan in future. This is an accurate topic." So, what is meant by Anunarayan or Anuradha?
Baba: *Anu* means the one who comes behind, follows . That is called *anu*. The one who follows. Who is the first one to follow the Confluence Age Narayan? Which souls are the first ones to follow the Confluence Age Narayan, Lakshmi-Narayan? (Student: The eight deities.) Hum?
Student: In the Brahmin family, in the advance [party], it is the eight deities who follow them completely.
Baba: Doesn't a child follow the father? (Student: He does.) So, don't Brahma Baba and Saraswati *follow*? Are they not the first Lakshmi and Narayan of the Golden Age? All of them are *anu* (followers). Second Narayan, *second, third, fourth, seventh*.

समयः 01.05.46-01.07.00

जिज्ञासुः दिनांक 24.11.08 की मुरली में बाबा ने कहा है "बाबा ने समझाया है – यह साकार है बाहरयामी। इनके अन्दर जो लॉर्ड रहता है वह है लॉर्ड आफ लॉर्ड। कृष्ण को लॉर्ड कृष्णा कहते हैं ना। हम तो कहते हैं कृष्ण का भी लॉर्ड आफ लॉर्ड्स वह परमात्मा है। उनको यह मकान दिया गया है। तो यह लैण्डलेडी और लैण्ड लॉर्ड दोनों हैं। यह मेल भी है तो फीमेल भी है। वन्डर है ना।" – तो ये लैण्डलेडी और लैण्ड लॉर्ड कौन हैं? ब्रह्मा या प्रजापिता?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः शिवबाबा। (जिज्ञासु – शिवबाबा।) हाँ। अर्धनारीश्वर नहीं है? स्त्री-पुरुष दोनों कम्बाइंड नहीं हैं? (जिज्ञासु – हैं।) बस।

(जिज्ञासु ने अगला प्रश्न पूछना शुरू किया तो बाबा ने अंग्रेजी में अनुवाद करने का इशारा दिया)

जिज्ञासुः (अनुवाद करेंगे) तो फिर लम्बा खिंच जाएगा ना बाबा। ट्रांसलेशन करते रहेंगे तो फिर बहुत लम्बा खिंच जाएगा।

बाबाः आ गए ना (कैमरा वाले के।) प्रभाव में। ☺

जिज्ञासुः वो उधर से इशारा दे रहे हैं।

Time: 01.05.46-01.07.00
Student: Baba has said in the murli dated 24.11.08: "Baba has explained that this corporeal one is *baharyaami*[12]. The Lord who is in him is the *Lord of lord*. Krishna is called *Lord* Krishna, isn't he? We say that the *Lord of lords* of even Krishna is that Supreme Soul. He has been given this house. So, this one is *land lady* as well as *land lord*. This one is *male* as well as *female*. It is a *wonder*, isn't it?" So, who is this *land lady* and *land lord*? Is it Brahma or Prajapita?
Baba: Shivbaba. (Student: Shivbaba.) Yes. Is he not *Ardhanaariishwar*[13]? Aren't female and male *combined*? (Student: They are.) That is all.

समयः 01.07.15-01.07.56

जिज्ञासुः 1857 की क्रांति के महानायक नानासाहब के विषय में कहा जाता है कि क्रांति के बाद अंग्रेज उन्हें सारे भारतवर्ष में ढूंढते रहे पर ढूँढ नहीं पाये। उनकी मृत्यु के बारे में कोई निश्चित प्रमाण नहीं है। नाना साहेब मराठा साम्राज्य के अंतिम पेशवा के पुत्र थे जिनके साथ मराठा साम्राज्य समाप्त हो गया। क्या यह पार्ट प्रजापिता का नहीं हो सकता?

बाबाः नाना साहेब का भी पार्ट हो सकता है, और लक्ष्मीबाई के पति का भी पार्ट हो सकता है और सारे पार्ट उसी के हो सकते हैं।☺

जिज्ञासुः अगर गंगाधर राव का हो गया तो फिर इनका नहीं होगा।

(बाबा हँस रहे हैं।)

Time: 01.07.15-01.07.56
Student: It is said about Nana Saheb, the hero of the revolution of 1857 that the British continued to search for him throughout the Indian region after the revolution, but they could not find him. There is no definite proof about his death. Nana Saheb was the son of the last Peshwa of the Maratha Empire and with him the Maratha Empire came to an end. Can't this part belong to Prajapita?
Baba: He can play the part of Nana Saheb, he can play the part of Lakshmi bai's husband and he can play all the parts. ☺
Student: If he plays the part of Gangadhar Rao, then he cannot play this part. ☺
(Baba is laughing.) (Concluded.)

[12] The one who knows through external behaviour
[13] Form of God that is half man and half woman

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info